भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1053

गुरूवार, 15 दिसम्बर, 2022/24 अग्रहायण, 1944 (शक)

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में गिरावट

1053. **श्री कार्तिकेय शर्माः**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा कराए जाने वाले आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में पाया गया है कि शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर धीरे-धीरे कम हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों से देश में बेरोजगारी दर कितनी रही है, तत्संबंधी वर्ष-वार और लिंग वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी दर में लगातार गिरावट आ रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ङ): वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा करवाए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी पर आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। उपलब्ध नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018-19 से 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर वर्ष 15 वर्ष आयु के युवाओं की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) इस प्रकार है:

बेरोजगारी दर (यूआर)			
ग्रामीण			
वर्ष	**पुरुष**	**महिला**	**योग**
2018-19	5.5	3.5	5.0
2019-20	4.5	2.6	3.9
2020-21	3.8	2.1	3.3
शहरी			
वर्ष	**पुरुष**	**महिला**	**योग**
2018-19	7.0	9.8	7.6
2019-20	6.4	8.9	6.9
2020-21	6.1	8.6	6.7
अखिल भारत			
वर्ष	**पुरुष**	**महिला**	**योग**
2018-19	6.0	5.1	5.8
2019-20	5.0	4.2	4.8
2020-21	4.5	3.5	4.2

स्रोतः पीएलएफएस, एमओएसपीआई

उपरोक्त आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृत्ति है।

वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की अनुमानित महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) क्रमशः 24.5%, 30.0% 32.5% थी जो कि सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक की आयु की महिला एलएफपीआर दर में वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

*****